ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:31.05.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-05-31(अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	01/06/2024	02/06/2024	03/06/2024	04/06/2024	05/06/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	2.0	3.0	0.0	8.0
अधिकतम तापमान (से.)	29.0	28.0	27.0	27.0	28.0
न्यूनतम तापमान (से.)	15.0	15.0	15.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	30	30	25	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	8	8	10	10
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	5	3	1	2

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 0-8 मिमी की बहुत हल्की वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.0-29.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा दक्षिण-पूर्व से 8-10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। 2 और 4 जून को नैनीताल में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 1 जून को अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना है, जबकि शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बना रह सकता है। 1, 2 और 4 जून, 2024 को नैनीताल जिले में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ आंधी/तेज हवा (40-50 किमी प्रति घंटे)/तेज बारिश के बारे में पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली संबंधी डेटा के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 30.05.2024 से 06.06.2024 के दौरान बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है। शुष्क मौसम के साथ बहुत हल्की वर्षा/बूंदाबांदी का अनुमान लगाया गया है, इसलिए मिट्टी की नमी बनाए रखी जानी चाहिए और नियमित सिंचाई की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हल्की वर्षा के साथ आंधी/बिजली और तीव्र वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए कृषि गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	बुआई	घाटी और निचली पहाड़ियों में नर्सरी की तैयारी सिंचित अवस्था में पूरी करनी चाहिए। जेठी धान की सीधी बुआई जून के प्रथम सप्ताह तक कर देनी चाहिए। किसानों को बुआई शाम के समय करनी चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
अरहर	बुआई/अंकुर विकास	आवश्यकता पड़ने पर फसल की सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
मक्का	बुआई	मध्य तथा ऊँची पहाड़ियों में मक्के की बुआई जारी रखी जा सकती है और आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए। नमी संरक्षण के लिए मल्चिंग करनी चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
झंगोरा	बुआई	ऊंची पहाड़ियों में पारंपरिक किस्मों या अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोना चाहिए। बुआई के बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
मंडुआ	बुआई	ऊंची पहाड़ियों में इन फसलों को दूसरे पखवाड़े में बोया जा सकता है। अधिक उपज देने वाले एवं अच्छी तरह से उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए। बुआई के बाद हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	पौध	टमाटर के पौधों में निराई-गुड़ाई और यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें। पौधे को डंडियों की सहायता से खड़ा करें। जिन किसानों के पास पॉलीहाउस है उन्हें टमाटर उगाने की तैयारी कर लेनी चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना

		चाहिए।
बैंगन/शिमला मिर्च	वानस्पतिक	किसान भाइयों, मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए यदि पहाड़ी क्षेत्रों में शिमला मिर्च की पौध की रोपाई एक माह पहले की गई है तो मौसम साफ होने पर यूरिया की टॉप ड्रेसिंग कर देनी चाहिए, साथ ही नमी संरक्षण के उपाय भी सुनिश्चित कर लें। भारी बारिश होने पर जल निकासी पर ध्यान दें।
कद्दू वर्गीय सब्जियों/ अन्य खीरे के प्रजातियां	वानस्पतिक/फलदायी	पत्तियों के धब्बेदार दिखने की स्थिति में, पौधों को अलग कर देना चाहिए और रस चूसने वाले कीटों के लिए सर्वांगी का उपयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार नियमित सिंचाई करनी चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
फूलगोभी/पत्तागोभी/ ब्रोकली	बुआई	कोल फसलों की बुआई खेत में पर्याप्त नमी होने पर ही करनी चाहिए। नर्सरी की तैयारी उपचारित बीजों से करनी चाहिए तथा बीजों के बीच उचित दूरी बनाए रखनी चाहिए। कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
आड़ू/पुलम	फल बनना/ परिपक्वता	फलों का गिरना कम करने और तापमान बनाए रखने के लिए मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए नियमित सिंचाई की जानी चाहिए। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए आड़ू, प्लम, खुबानी की अगेती किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को बाजार भेजें।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	लू के कारण पशुओं में गर्मी के तनाव की स्थिति को रोकने के लिए शेड में निरंतर पानी की आपूर्ति बनाए रखी जानी चाहिए। विदेशी गायों की उत्पादकता बनाए रखने और उन्हें बीमारियों से बचाने के लिए पंखे, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरण जैसे शीतलन उपकरणों का उपयोग करके पशु शेड का तापमान बनाए रखा जाना चाहिए। पीने के नालों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाना चाहिए। यदि दुधारू पशुओं में मास्टिटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाहः

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	नमी संरक्षण के लिए कद्दूवर्गीय फसलों में अंतरवर्तीय क्रियाएं करनी चाहिए तथा शाम के समय फसलों में सिंचाई करनी चाहिए। तेज हवा चलने की स्थिति में खड़ी फसलों में सिंचाई करने से बचें और अधिक वर्षा होने पर जल निकासी बनाए रखें।